नेशनल शेडयूल्ड ट्राइब्स फाइनांस एंड डेवलपमेंट कारपोरेशन

(भारत सरकार का उपक्रम - जनजातीय कार्य मंत्रालय)

''ई पत्रिका''

(01/01/2023-30/06/2023)

नेशनल शेडयूल्ड ट्राइब्स फाइनांस एंड डेवलपमेंट कारपोरेशन
(अनुसूचित जनजातियों के आर्थिक उत्थान हेतु एक शीर्ष संगठन)
एनबीसीसी टावर, 5वीं मंजिल, 15 भीकामी कामा प्लेस,नई दिल्ली-110066
टेलीफोन नं. 011-26712539, 26177046, 26177042,फैक्स नं.011-26712574;
वेबसाइट: www.nstfdc.nic.in **ईमेलः**nstfdc@bol.net.in

एनएसटीएफडीसी का संक्षिप्त विवरण

संगठन: नेशनल शेडयूल्ड ट्राइब्स फाइनांस एण्ड डेवलपमेन्ट कारपोरेशन (एनसटीएफडीसी) केवल अनुसूचित जनजातियों के आर्थिक उत्थान हेतु बनाया गया शीर्ष संगठन है। निगम अनुसूचित जनजातियों की आय जनित गतिविधियों हेतु राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों, कुछ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के माध्यम से रियायती ब्याज दरों पर वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए उनकी आर्थिक उन्नति में अग्रणी भूमिका निभाता है।

पात्रता मानदंड: एनएसटीएफडीसी से रियायती वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पात्रता मानदंड निम्नलिखित हैं:-

व्यक्तिगत /स्व सहायता समूहों हेतु	सहकारी संस्था(ओं) हेतु
• सभी आवेदक/सदस्य अनुसूचित जनजाति वर्ग के होने चाहिए । • आवेदक की वार्षिक पारिवारिक आय ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए 3 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए।	कम से कम 80% या ज्यादा सदस्य अनुसूचित जनजाति समुदाय के होने चाहिए एवं आवेदकों की वार्षिक पारिवारिक आय गरीबी रेखा आय सीमा से दुगुनी से अधिक नहीं होनी चाहिए । सदस्यता में परिवर्तन के मामले में वह सहकारी सोसाइटी यह सुनिश्चित करेगा कि एनएसटीएफडीसी की ऋण अवधि के दौरान अनुसूचित जनजाति सदस्यों का प्रतिशत 80% से कम नहीं है ।

योजना :

मियादी ऋण योजना	**आदिवासी महिला सशक्तिकरण योजना (आ.म.स.यो.)**	**स्व सहायता समूहों हेतु लघु ऋण योजना (लघु ऋण वित्त)**	**आदिवासी शिक्षा ऋण योजना (आ.शि.ऋ.यो.)**
50.00 लाख रुपए प्रति यूनिट तक की लागत वाली परियोजना के लिए 90% तक ऋण	2,00,000/- रुपए प्रति यूनिट तक की लागत वाली परियोजना के लिए 90% तक ऋण	प्रति स्व.स.समूह हेतु अधिकतम 5 लाख रुपए तथा प्रति सदस्य 50,000/- रुपए तक का ऋण	प्रत्येक अनुसूचित जनजाति की पात्र परिवार को 6% वार्षिक रियायती ब्याज दर पर 10.00 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण
ब्याज दर: 6 से 10% वार्षिक	ब्याज दर: 4% वार्षिक	ब्याज दर: 6% वार्षिक	ब्याज दर: 6% वार्षिक

एनएसटीएफडीसी योजनाओं के अंतर्गत यदि अनुसूचित जनजाति समुदाय से संबंधित कोई व्यक्ति ऋण लेने के इच्छुक हो तो संबंधितराज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों/ उनके राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में स्थित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों से मार्गदर्शन हेतु संपर्क कर सकते हैं । राज्य चैनेलाइजिगं एजेंसियों का संपर्क विवरण एनएसटीएफडीसी के वेबसाइट https://nstfdc.tribal.gov.in पर उपलब्ध है ।

एनएसटीएफडीसी की जनवरी से जून,2023 तक की माहवार गतिविधियां/उपलब्धियां

नेशनल शेडयूल्ड ट्राइब्स फाइनांस एंड डेवलपमेंट कारपोरेशन (एनएसटीएफडीसी), पात्र अनुसूचित जनजातियों को स्व-रोजगार उद्यम लगाने के लिए रियायती वित्तीय सहायता उपलब्ध करता है। एनएसटीएफडीसी संबंधित राज्य/ संघ शासित प्रदेशों द्वारा नामित सरकारी स्वामित्व वाले राज्य चैनलाइजिंग एजेंसियों (एससीए) एनसीडीसी, कुछ पीएसयू बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और अन्य एजेंसियों के माध्यम से अपना फंड चैनलाइज करता है।

(1) **जनवरी, 2023 माह के दौरान कार्यान्वित प्रमुख गतिविधियां:**

I. निष्पादन:

वर्ष **2022-23** के लक्ष्यों और उपलब्धियों की स्थिति निम्नवत है **(**करोड़ रुपयों में**)**

क्रमांक	मद	वित्तीय वर्ष **2022-23**		गत वर्ष इसी अवधि के दौरान निष्पादन
		वार्षिक लक्ष्य	31.01.2023 तक की उपलब्धि	
i.	मंजूरी	**250.00**	**146.25**	**150.30**
ii.	संवितरण	**240.00**	**220.09**	**120.59**

* अनुमानित निधि उपलब्धता के आधार पर**,** संवितरण लक्ष्य रखा जाता है । यह अनुमान लगाया गया कि निगम लगभग 240.00 करोड़ रुपए वितरित करने में सक्षम होगा। ।

^ जनवरी**,** 2023 माह के दौरान**,** निगम ने 34.78 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी और 38.97 करोड़ रुपए का वितरण किया।

II. इस माह के दौरान कार्यान्वित की गईं प्रमुख गतिविधियां:

(क) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएसटीएफडीसी अन्य अधिकारियों के साथ क्रमशः 17, 18 और 21 जनवरी, 2023 को उदयपुर, अहमदाबाद और पोर्ट ब्लेयर (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) में आयोजित सामाजिक न्याय और अधिकारिता के लिए संसदीय स्थायी समिति की बैठकों में शामिल हुए।

(ख) इन दौरों के दौरान, नए ऋण प्रस्तावों, उपयोगिता प्रमाणपत्रों और ऋणों के पुनर्भुगतान आदि से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर राजस्थान और गुजरात राज्यों में कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ बैठकें आयोजित की गईं।

(ग) इसके अलावा, अंडमान और निकोबार राज्य सहकारी बैंक (अंडमान और निकोबार द्वीप में एनएसटीएफडीसी योजनाओं को लागू करने के लिए सरकार द्वारा नामित एजेंसी) के प्रतिनिधियों के साथ सामान्य ऋण समझौते पर हस्ताक्षर करने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया।

(घ) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएसटीएफडीसी ने कर्नाटक समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय विज्ञान एक्सपो 2023 में भाग लिया, जिसमें कर्नाटक आवासीय शैक्षिक संस्थान सोसायटी (केआरईआईएस) के आदिवासी छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

(ङ) एनएसटीएफडीसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, केरल और ओडिशा में पीवीटीजी का सर्वेक्षण किया।

(च) शबरी आदिवासी वित्त व विकास महामंडल मर्यादित (महाराष्ट्र में एनएसटीएफडीसी के एससीए) के अधिकारियों ने एनएसटीएफडीसी,प्रधान कार्यालय, दिल्ली का दौरा किया और महाराष्ट्र राज्य में धन के प्रवाह को बढ़ाने के संबंध में एक बैठक की।

(छ) एनएसटीएफडीसी के अधिकारी ने पात्र पुनर्वित्त मामलों की पहचान करने के लिए सेंट्रेल बैंक ऑफ इंडिया (सीबीआई) के क्षेत्रीय कार्यालयों होशंगाबाद और जबलपुर का दौरा किया। उप आंचलिक महा प्रबंधक ने दोनों क्षेत्रीय कार्यालयों में क्षेत्रीय प्रबंधक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की।

(ज) माह के दौरान सीएसआर समिति की 13वीं बैठक आयोजित की गई।

(झ) जनवरी, 2023 के महीने के लिए, एनएसटीएफडीसी से संबंधित रिक्तियों की स्थिति को अद्यतन करने तथा एसीसी रिक्ति निगरानी प्रणाली में पोस्टिंग के संबंध में सूचना शून्य दी गई है ।

* * * *

(2) **फरवरी,2023 माह के दौरान कार्यान्वित प्रमुख गतिविधियां:**

I. निष्पादन:

वर्ष **2022-23** के लक्ष्यों और उपलब्धियों की स्थिति निम्नवत है **(करोड़ रुपयों में)**

क्रमांक	मद	वित्तीय वर्ष **2022-23**		गत वर्ष इसी अवधि के दौरान निष्पादन
		वार्षिक लक्ष्य	28.02.2023 तक की उपलब्धि	
i.	मंजूरी	**250.00**	**155.70**	**182.12**
ii.	संवितरण	**240.00**	**238.13**	**170.89**

* अनुमानित निधि उपलब्धता के आधार पर, संवितरण लक्ष्य रखा जाता है । यह अनुमान लगाया गया कि निगम लगभग 240.00 करोड़ रुपए वितरित करने में सक्षम होगा। ।

^ फरवरी,2023 माह के दौरान, निगम ने 9.45 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी और 18.04 करोड़ रुपए का वितरण किया।

इस माह के दौरान कार्यान्वित की गईं प्रमुख गतिविधियां:

(क) आदि महोत्सव 2023 जनजातीय कार्य मंत्रालय की एक पहल, दिनांक 16 से 27 फरवरी, 2023 तक आयोजित की गई थी जिसमें देश भर के आदिवासी कारीगरों, शिल्पकारों और उद्यमियों ने अपनी उपज/उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने के लिए स्टॉल लगाए थे। एनएसटीएफडीसी ने भी अपनी योजनाओं के तहत वित्त पोषित परियोजनाओं की उपलब्धियों/सफलता की कहानियों को प्रदर्शित करने के लिए महोत्सव में भाग लिया।

महोत्सव के दौरान, एनएसटीएफडीसी ने गुजरात, आंध्र प्रदेश, झारखंड, लद्दाख, केरल, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह आदि राज्यों के लाभार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया।

एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों ने 200 से अधिक स्टालों का दौरा किया और स्टाल मालिकों से बातचीत की। उक्त बातचीत के दौरान, यह पाया गया कि 103 स्टॉल मालिक एनएसटीएफडीसी योजनाओं के तहत ऋण प्राप्त करना चाहते थे। तदनुसार, इन पहचाने गए संभावित लाभार्थियों के ऋण आवेदनों पर प्राथमिकता के आधार पर विचार करने के लिए कार्यान्वयन एजेंसियों को अनुरोध भेजा जा रहा है।

(ख) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएसटीएफडीसी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिनांक 22.02.2023 को संसद हाउस ऐनेक्सी, नई दिल्ली में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कल्याण पर संसदीय समिति की बैठक में भाग लिया।

(ग) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएसटीएफडीसी ने जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा अनुसूचित क्षेत्रों के जिला कलेक्टरों और परियोजना अधिकारियों (आईटीडीए) के लिए सुशासन पर आयोजित एक कार्यशाला में भाग लिया।

(घ) निगम ने कंकावली, जिला सिंधुदुर्ग, महाराष्ट्र में आयोजित "एमएसएमई के विकास और विकास

की गुंजाइश" (19-21 फरवरी 2023) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी-सह-प्रदर्शनी में भाग लिया। सेमिनार के दौरान "अनुसूचित जनजातियों के लिए एनएसटीएफडीसी की आर्थिक विकास योजनाओं" पर एक प्रस्तुति दी गई। प्रदर्शनी में एनएसटीएफडीसी की योजनाओं को प्रदर्शित करने और एनएसटीएफडीसी की योजनाओं के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए एक स्टॉल भी लगाया गया था।

(ड.) निगम ने उदयपुर (23-25 फरवरी 2023) में एक मेगा प्रदर्शनी "आकर्षक राजस्थान" में भी भाग लिया। इस प्रदर्शनी के दौरान, एनएसटीएफडीसी की योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदर्शित करने और प्रसारित करने के लिए एक स्टॉल लगाया गया था।

(च) मध्य प्रदेश के इंदौर में आदिवासी जड़ी बूटी मेला और फूड फेस्टिवल में भी एक स्टॉल लगाया गया था। महोत्सव का आयोजन नारायण उत्थान सेवा समिति द्वारा किया गया था। मेले में गैर सरकारी संगठनों/दुकान मालिकों, जरूरतमंद आदिवासियों, छात्रों और आगंतुकों के बीच एनएसटीएफडीसी योजना के बारे में जागरूकता फैलाई गई।

(छ) माह के दौरान 92वीं बोर्ड बैठक आयोजित की गई।

(ज) फरवरी, 2023 के महीने के लिए, एनएसटीएफडीसी से संबंधित रिक्तियों की स्थिति को अद्यतन करने तथा एसीसी रिक्ति निगरानी प्रणाली में पोस्टिंग के संबंध में सूचना शून्य दी गई है।

* * * * *

(3)मार्च,2023 माह के दौरान कार्यान्वित प्रमुख गतिविधियां:

I. निष्पादन:

वर्ष **2022-23** के लक्ष्यों और उपलब्धियों की स्थिति निम्नवत है **(करोड़ रुपयों में)**

क्रमांक	मद	वित्तीय वर्ष **2022-23**		गत वर्ष इसी अवधि के दौरान निष्पादन
		वार्षिक लक्ष्य	31.03.2023 तक की उपलब्धि	
i.	मंजूरी	**250.00**	**190.36**	**386.12**
ii.	संवितरण	**240.00**	**299.29**	**272.92**

मार्च, 2023 के महीने के दौरान, निगम ने 34.66 करोड़ रुपए की मूल्य की परियोजना मंजूर की तथा 61.16 करोड़ रुपए संवितरित किए।

II. माह के दौरान कार्यान्वित प्रमुख गतिविधियां:

(क) एनएसटीएफडीसी ने जनजातीय कार्य मंत्रालय के सहयोग से **31.03.2023** को नई दिल्ली में अनुसूचित जनजाति महिला स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया । इस कार्यक्रम में **650** से अधिक अनुसूचित जनजाति महिला स्व सहायता समूह के सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (आयुष्मान भारत के लिए), डाक विभाग (ईश्रम के लिए), इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (वित्तीय सेवाओं के लिए) और भारतीय स्टेट बैंक ने भी भाग लिया। इन संगठनों ने कार्यक्रम स्थल पर कियोस्क स्थापित करके अपने द्वारा प्रदान किए जा रहे लाभों के लिए आगंतुकों के पंजीकरण और ऑनबोर्डिंग की सुविधा भी प्रदान की तथा आगंतुकों को जनधन खाता खोलने के लाभ आदि की भी जानकारी दी गई।

उद्यान उत्सव-1 के एक भाग के रूप में, आदिवासी महिला स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को **31.03.2023** को अमृत उद्यान में आमंत्रित किया गया था। कई राज्यों से महिला एसएचजी सदस्य मध्य प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात ने इस यात्रा में भाग लिया, जिसे जनजातीय कार्य मंत्रालय और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा सुगम बनाया गया था। इन आगंतुकों को भारत की माननीया राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के साथ बातचीत करने का भी अवसर मिला।

(ख) एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों ने एनएसटीएफडीसी योजना के तहत वित्त पोषण के लिए पात्र ऋण प्रस्तावों की पहचान के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, रतलाम, इंदौर और शहडोल (मध्य प्रदेश) के क्षेत्रीय कार्यालयों का दौरा किया।

(ग) अधिकारियों ने एनएसटीएफडीसी की माइक्रो क्रेडिट योजना के तहत वित्त पोषित इकाइयों पर चर्चा और निरीक्षण के लिए कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में पश्चिम बंगाल जनजातीय विकास निगम और पश्चिम बंगाल एससी/एसटी विकास निगम कार्यालय का दौरा किया।

(घ) अधिकारियों ने एनसीएसटी के माननीय सदस्य, श्री अनंत नायक की अध्यक्षता में एक बैठक में भाग लिया और ओडिशा में एनएसटीएफडीसी की योजनाओं और उनके कार्यान्वयन के बारे में एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी।

(ड) अधिकारियों ने जनजातीय कार्य मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री, श्री बिश्वेश्वर टुडू की अध्यक्षता में आयोजित एक बैठक में भाग लिया और मयूरभंज में आजीविका इन्क्यूबेशन सेंटर की प्रस्तावित साइट का भी दौरा किया।

(च) असम प्लेन ट्राइब्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन और प्लेन जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। इसमें एनएसटीएफडीसी के लंबे समय से लंबित बकाया राशि के निपटान के संबंध में चर्चा की गई ।

(छ) अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, निगम ने सभी महिला कर्मचारियों के लिए "मूल्य आधारित समाज की नींव के रूप में महिलाएं" विषय पर दो घंटे का सत्र आयोजित किया।

(ज) एनएसटीएफडीसी ने मैक्स हेल्थ केयर के माध्यम से एक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया। इस शिविर के दौरान, रक्तचाप, रक्त शर्करा (रैंडम), ऑप्टोमेट्री, पल्मोनरी फंक्शन, एचबीए1सी, बीएमडी और मैमोग्राफी जैसी जांच/परीक्षण किए गए। इसमें विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा विशेष रूप से महिला कर्मचारियों के लिए एक स्वास्थ्य जागरूकता वार्ता भी की गई।

(झ) मार्च, 2023 के माह के लिए, एनएसटीएफडीसी से संबंधित रिक्तियों की स्थिति के अद्यतनीकरण करने तथा एसीसी निगरानी प्रणाली में पोस्टिंग के संबंध में सूचना शून्य दी गई है।

* * * * *

(4)अप्रैल,2023 माह के दौरान कार्यान्वित प्रमुख गतिविधियां:

I. निष्पादन:

वर्ष **2023-24** के लक्ष्यों और उपलब्धियों की स्थिति निम्नवत है **(**करोड़ रुपयों में**)**

क्रमांक	मद	वित्तीय वर्ष **2023-24**		गत वर्ष इसी अवधि के दौरान निष्पादन
		वार्षिक लक्ष्य	31.04.2023 तक की उपलब्धि	
i.	मंजूरी	**250.00**	**5.93**	**2.19**
ii.	संवितरण	**250.00**	**25.01**	**21.85**

* वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान अनुमानित निधि उपलब्धता के आधार पर मंजूरी और संवितरण का वार्षिक लक्ष्य तैयार किया गया है। यह कार्यान्वयन एजेंसियों के प्रस्तावों और वितरण के लिए उपलब्ध निधि के अनुसार भिन्न हो सकता है।

II. माह के दौरान कार्यान्वित प्रमुख गतिविधियां:

(क) वर्ष 2023-24 के दौरान अनुमानित निधि उपलब्धता के आधार पर, एनएसटीएफडीसी ने उक्त वर्ष के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को अनुमानित आवंटन के रूप में 250 करोड़ रुपए निर्धारित किए हैं। तदनुसार, ऋण प्रस्तावों को अग्रेषित करने के अनुरोध के साथ आवंटन पत्र संबंधित चैनलाइजिंग एजेंसियों को भेज दिए गए हैं।

(ख) जनजातीय कार्य मंत्रालय के निदेशक (आजीविका) ने एनएसटीएफडीसी-प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली का दौरा किया और निगम की योजनाओं के कार्यान्वयन के तंत्र को समझने और लक्ष्य समूह तक पहुंचने के लिए नए रास्ते तलाशने के लिए परियोजना विभाग के अधिकारियों के साथ बातचीत की।

(ग) लक्ष्य समूह के बीच पहुंच बढ़ाने के लिए, एनएसटीएफडीसी ने राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक (आरएमजीबी) के साथ एक समझौता किया है। राजस्थान राज्य में एनएसटीएफडीसी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए आरएमजीबी एक अन्य एजेंसी होगी।

(घ) एनएसटीएफडीसी की विभिन्न योजनाओं के तहत असूचित जनजाति के पात्र सदस्यों को रियायती ऋण देने के लिए एनएसटीएफडीसी की कार्यान्वयन एजेंसियों में से एक के रूप में आईपीपीबी को शामिल करने की संभावना तलाशने के लिए इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) के अधिकारियों ने एनएसटीएफडीसी कार्यालय का दौरा किया।

(ङ) निगम ने महीने के दौरान सेल प्रदर्शनी मैदान, राउरकेला (ओडिशा) में आयोजित क्षेत्रीय आदि महोत्सव में भाग लिया। इस आयोजन के दौरान, एनएसटीएफडीसी ने ओडिशा राज्य में अपनी विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं के कार्यान्वयन के बारे में जानकारी के प्रसार के लिए एक स्टॉल लगाया था। इस कार्यक्रम के दौरान, एनएसटीएफडीसी के अधिकारी ने आजीविका बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर, राउरकेला का दौरा किया और प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की।

दिनांक 10.04.2023 को एनएसटीएफडीसी की स्थापना दिवस आयोजन की झलकिया

* * * * *

(5) मई, 2023 माह के दौरान कार्यान्वित प्रमुख गतिविधियां:

I. निष्पादन:

वर्ष **2023-24** के लक्ष्यों और उपलब्धियों की स्थिति निम्नवत है **(करोड़ रुपयों में)**

क्रमांक	**मद**	**वित्तीय वर्ष** 2023-24		**गत वर्ष इसी अवधि के दौरान निष्पादन**
		वार्षिक लक्ष्य	**31.05.2022 तक की उपलब्धि**	
i.	**मंजूरी**	**250.00**	**9.93**	**28.26**
ii.	**संवितरण**	**250.00**	**31.80**	**33.21**

* वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान अनुमानित निधि उपलब्धता के आधार पर मंजूरी और संवितरण का वार्षिक लक्ष्य तैयार किया गया है। यह कार्यान्वयन एजेंसियों के प्रस्तावों और वितरण के लिए उपलब्ध निधि के अनुसार भिन्न हो सकता है।

मई, 2023 के महीने के दौरान, निगम ने 4.00 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी और 6.79 करोड़ रुपए वितरित किए।

II.माह के दौरान कार्यान्वित प्रमुख गतिविधियां:

(क) एनएसटीएफडीसी ने दिनांक 25.05.2023 को खूंटी (झारखंड) में जनजातीय मामलों के मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित महिला एसएचजी सम्मेलन में भाग लिया। भारत के माननीय राष्ट्रपति ने सभा को संबोधित किया और महिला एसएचजी सदस्यों के साथ बातचीत की।

(ख) आजादी का अमृत महोत्सव के आयोजन के एक हिस्से के रूप में, राउरकेला (ओडिशा) में आजीविका बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एलबीआई) में अपना प्रशिक्षण पूरा कर चुके प्रशिक्षुओं और विभिन्न -कौशल विकास कार्यक्रमों से गुजर रहे प्रशिक्षुओं के लिए एक अभिनंदन कार्यक्रम-सह-इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया था । एलबीआई (राउरकेला) एक कौशल विकास केंद्र है जो सेल-आरएसपी, एनएसआईसी और एनएसटीएफडीसी के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन के तहत चल रहा है।

इस कार्यक्रम के दौरान, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएसटीएफडीसी ने उन छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए जिन्होंने सफलतापूर्वक अपना पाठ्यक्रम पूरा किया है।

(ग) एनएसटीएफडीसी ने अपनी सीएसआर पहल के तहत, रामकृष्ण मिशन (रांची) द्वारा संचालित टीबी सेनेटोरियम में मरीजों को लाने और छोड़ने के लिए एक मेडिकल वैन (महिंद्रा बोलेरो) प्रदान की है। एनएसटीएफडीसी के सीएमडी ने मेडिकल वैन का उद्घाटन किया और टीबी सेनेटोरियम को प्रदान की गई पूर्व कार्यान्वित सीएसआर परियोजना का निरीक्षण किया।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदयन ने सभा को संबोधित किया और अस्पताल के प्रत्येक वार्ड का दौरा किया और उन्हें झारखंड, ओडिशा आदि के दूरदराज क्षेत्रों से टीबी रोगियों की देखभाल करने वाले सेनेटोरियम के कामकाज के बारे में जानकारी दी गई।

(घ) एनएसटीएफडीसी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रसारित करने और कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न मुद्दों को संबोधित करने के लिए, गोगुंदा, उदयपुर (राजस्थान) में एक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया था। यह शिविर राजस्थान अनुसूचित जाति एवं जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम के सहयोग से आयोजित किया गया था।

(ड.) इसके अलावा, एनएसटीएफडीसी ने, छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के सहयोग से, छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के डोंडी-लोहारा ब्लॉक के डोंडी पंचायत में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया। इस शिविर के दौरान प्रधान कार्यालय, एनएसटीएफडीसी की डॉ. ज्योति सिंघल, मुख्य प्रबंधक (परियोजना) और श्री वैभव कौशिक, सहायक ने एनएसटीएफडीसी योजनाओं के तहत प्रचारित योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा, एनआरएलएम, नाबार्ड, बैंक ऑफ बड़ौदा, ब्लॉक स्तर के अधिकारियों, उद्योग विभाग आदि के प्रतिनिधियों ने भी सभा को संबोधित किया।

(च) एनएसटीएफडीसी योजनाओं के तहत वित्तपोषित इकाइयों का निरीक्षण करने के लिए एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों द्वारा धमतरी जिले (छत्तीसगढ़) में एक क्षेत्रीय दौरा किया गया।

(छ) एनएसटीएफडीसी ने नई दिल्ली में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और महिला उद्यमियों के लिए इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसीएसटीडब्ल्यू) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय जनजातीय उद्यमिता शिखर सम्मेलन में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान एनएसटीएफडीसी के अधिकारी ने एक प्रेजेंटेशन दिया और अनुसूचित जनजातियों के आर्थिक उत्थान के लिए उपलब्ध योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

(ज) मई, 2023 के महीने के लिए, एनएसटीएफडीसी से संबंधित सूचना रिक्तियों की स्थिति के अद्यतनीकरण और एसीसी रिक्ति निगरानी प्रणाली में पोस्टिंग के संबंध में सूचना शून्य दी गई है।

* * * *

(6) जून,2023 माह के दौरान कार्यान्वित प्रमुख गतिविधियां:

I. निष्पादन:

वर्ष **2023-24** के लक्ष्यों और उपलब्धियों की स्थिति निम्नवत है **(करोड़ रुपयों में)**

क्रमांक	**मद**	**वित्तीय वर्ष** 2023-24		**गत वर्ष इसी अवधि के दौरान निष्पादन**
		वार्षिक लक्ष्य	**30.06.2023 तक की उपलब्धि**	
i.	**मंजूरी**	**250.00**	**22.45**	**29.91**
ii.	**संवितरण**	**250.00**	**37.96**	**34.40**

* अनुमानित निधि उपलब्धता के आधार पर, मंजूरी और संवितरण का वार्षिक लक्ष्य तैयार किया गया है । यह कार्यान्वयन एजेंसियों के प्रस्तावों और वितरण के लिए उपलबध निधि के अनुसार भिन्न हो सकता है ।

जून, **2023** माह के दौरान, निगम ने **9.66** करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी और **2.32** करोड़ रुपए का वितरण किया।

II. माह के दौरान कार्यान्वित प्रमुख गतिविधियां:

(क) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय, एनएसटीएफडीसी की अध्यक्षता में सभी क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारियों की एक समीक्षा बैठक एनएसटीएफडीसी, प्रधान कार्यालय (नई दिल्ली) में आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान, अन्य बातों के अलावा, ऋण वितरण में तेजी लाने, निष्क्रिय एससीए को पुनर्जीवित करने, प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन कराने, लंबे समय से लंबित अतिदेय राशि का निपटान करने कौशल विकास गतिविधियों को शुरू करने, लक्ष्य समूह के बीच पहुंच बढ़ाने आदि सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

(ख) कौशल विकास प्रशिक्षण शुरू करने की आवश्यकता पर ज़ोर देने के लिए, एनएसटीएफडीसी ने माननीय एमएसएमई मंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) के साथ एक समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया है। उक्त एमओयू के तहत इस बात पर सहमति बनी है कि दोनों निगम अनुसूचित जनजाति के उद्ययमियों को कौशल प्रदान करने और उनकी परियोजनाओं के वित्त पोषण में सहायता करेंगे । इसके साथ, एनएसटीएफडीसी एनएसआईसी के प्रशिक्षण संबंधी बुनियादी ढांचे का उपयोग करके अपने लक्ष्य समूह को कौशल प्रशिक्षण देने में सक्षम होगा ।

एनएसआईसी के साथ समझौता ज्ञापन(एमओयू)

(ग) एनएसटीएफडीसी की योजनाओं के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए, त्रिपुरा अनुसूचित जनजाति विकास निगम के सहयोग से त्रिपुरा में जागरूकता शिविर और कार्यशाला आयोजित की गई थी।

(घ) एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों ने उत्तरांचल बहुदेशीय वित्त एवं विकास निगम का दौरा किया और प्रबंध निदेशक से मुलाकात की। उत्तरांचल ग्रामीण बैंक के प्रबंध निदेशक से भी मुलाकात की।

(ङ) एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों ने एनएसटीएफडीसी योजनाओं के तहत ऋण प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए तमिलनाडु आदि द्रविड़ हाउसिंग एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, इंडियन बैंक और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का दौरा किया।

(च) एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों ने जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा अंबेडकर भवन में आयोजित पीवीटीजी बैठक में भाग लिया।

(छ) निगम ने 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लिया और आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर, नई दिल्ली में सभी कर्मचारियों के लिए आधे दिन का योग सत्र आयोजित किया।

(ज) निगम की 93वीं बोर्ड बैठक आयोजित की गई।

(झ) जून, 2023 के महीने के लिए, एनएसटीएफडीसी से संबंधित रिक्तियों की स्थिति को अद्यतन करने तथा एसीसी रिक्ति निगरानी प्रणाली में पोस्टिंग के संबंध में सूचना शून्य दी गई है ।

(ञ) एनएसटीएफडीसी से संबंधित जून, 2023 माह की सूचना/ /आंकड़े नीचे दिए गए बिंदुओं के अनुसार इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	मुद्दे	एनएसटीएफडीसी से संबंधित जानकारी
1.	माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां।	शून्य
2.	लंबे समय तक अंतर-मंत्रालय परामर्श के कारण लंबित महत्वपूर्ण नीतिगत मामले	शून्य
3.	तीन माह से अधिक समय से अभियोजन स्वीकृति के लंबित मामलों की संख्या।	शून्य
4.	उन मामलों का विवरण जिनमें व्यापार नियमों के लेन-देन या सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों के कारण विचलन हुआ है।	शून्य
5.	चल रहे स्वच्छता अभियान (विशेष अभियान के तहत प्रगति) की स्थिति ।	चल रहा है
6.	स्वायत्त निकायों की युक्तिकरण की स्थिति।	लागू नहीं
7.	शासन एवं विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए उठाए गए विशिष्ट कदमों की जानकारी।	लागू नहीं
8.	स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित मंत्रालय/विभाग में वरिष्ठ स्तर की नियुक्तियों की रिक्ति स्थिति।	एनएसटीएफडीसी का प्रबंधन निदेशक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें केंद्र सरकार में संयुक्त सचिव के स्तर के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एवं केंद्र सरकार के प्रतिनिधि, राज्य चैनलाइजिंग एजेंसियां, नाबार्ड, आईडीबीआई, ट्राइफेड और अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व करने वाले तीन प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल हैं। दिनांक 30.06.2023 तक निदेशकों के रिक्त पद (सरकारी/गैर-कार्यात्मक/गैर-सरकारी) नीचे दिए गए हैं: एससीए के प्रतिनिधि: 1 अनुसूचित जनजाति के प्रतिनिधि (गैर-सरकारी) : 3

9.	उन मामलों की सूची जिनमें एसीसी के निर्देशों का पालन नहीं किया गया है।	शून्य
10.	माह के दौरान स्वीकृत एफडीआई प्रस्तावों का विवरण और मंत्रालय/विभाग में अनुमोदन की प्रतीक्षा में एफडीआई प्रस्तावों की स्थिति।	लागू नहीं

* * * * *

मां का प्यार और नसीहत

मेरी कविता का शीर्षक है मां का प्यार और नसीहत । प्रत्येक मां का अपने बच्चे के प्रति कैसा प्यार और कैसी सोच होती है इस बात को मैंने अपने और अपने बेटे (हर्षित) के रुप में कविता) द्वारा प्रस्तुत किया है । आशा करती हूं कि आप सबको मेरी कविता पसंद आएगी ।

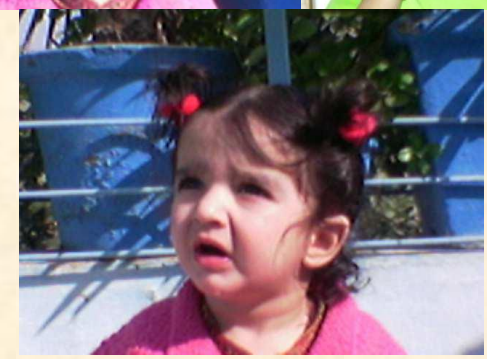

तेरी एक झलक को पाते ही - 2
पागल सी मैं हो जाती हूं
तुझमें ऐसा क्या आकर्षण है
यह समझ नहीं मैं पाती हूं ।
तुझको बॉहों में भर करके
सारी दुनिया भूल जाती हूं
तुझमें ऐसा क्या जादू है
यह समझ नहीं मैं पाती हूं ।
तेरी एक मधुर मुस्कान पर
खाना-पीना भूलकर, दौडी चली आती हूं
तेरी प्यारी-प्यारी बातों को सुनकर
लोटपोट हो जाती हूं ।
तेरी गल्तियों पर कठोर होकर
फिर से पिघल मैं जाती हूं
तुझको बॉहों में भर करके
गले से मैं लगाती हूं ।

चाहे मैं डांटू तुझको कितना -2
चाहे मैं तुझको प्यार करू
पर किसी के द्वारा तुझको डांटना
मैं बर्दाश न कर पाती
ये कैसी माँ की ममता है
यह समझ नहीं मैं पाती हूं ।

तुझे देखते ही
तेरी ओर खेंचीं चली आती हूं
तुझमें ऐसा क्या सम्मोहन है
यह समझ नहीं मैं पाती हूं ।
तेरे आह भरते ही
खुद को, रोक नहीं मैं पाती हूं
सरपट दौडी आती हूं
तुझसे ऐसी क्या डोर बंधी
तेरी ओर खेंचीं चली आती हूं ।
जब तक तू नहीं खाता है
अजीब सी बैचेनी रहती है
तेरे खाना खाते ही, पेट मेरा भर जाता है
कैसी राहत मिलती है
मैं ब्यान नहीं कर सकती हूं ।
तेरे कौतूहल भर प्रश्न सुनकर
हैरान मैं हो जाती हूं
कैसे इनका उत्तर दू
यह समझ नहीं मैं पाती हूं ।
तेरी नटखट हरकतों को देखकर -2
बचपन मैं अपना याद करती हू
क्या मैं भी ऐसी नटखट थी - 2 ?
यही मैं सोचा करती हूँ ।
तेरी शरारतों से खफा होकर
तुझको डांट मैं लगाती हूं
परन्तु तेरी एक मुस्कुराहट पाते ही
सब कुछ मैं भूल जाती हूं ।

दूसरों से तेरी तारीफ सुनकर
फूली नही समाती हूं
तू है ही ऐसा प्यारा - 2
कि मैं ब्यान नहीं कर सकती हूं ।
खाते-पीते उठते-बैठते
तेरा ही ध्यान रहता है
बस यही कामना करती हूं
कि खुशियाँ तुझे हजार मिलें
बदले में चाहे मुझे, गम लाख मिलें ।
हर हाल में बैठे-बैठे
तेरी दीर्घायु की कामना करती हूं
खुशियों से तेरी झोली भरे
बस यही कामना मैं करती हूं ।
यही दुआ है मेरी,
तू छू ले आकाश की ऊंचाई को
इतनी तझमें समझ हो कि
तू समझ सके समुद्र की गहराई को ।
यही कामना है मेरी
करना तुम हमेशा ऐसा काम
जग में हो जिससे तुम्हारा नाम
तन, मन्।, धन से करना सेवा
बच्चों, बूढों और नि:सहायों की
देना सम्मान सदा बड़ों को
छोटो को तुम प्यार देना ।

किरण पुकरणा
वरिठ निजी सचिव

भारत में जनजातीय विकास को सशक्त बनाना- प्रौद्योगिकी और वित्तीय पहुंच का परिप्रेक्ष्य

संक्षिप्त सिंहावलोकन

देश के जनजातीय समुदाय, विविध संस्कृतियों, भाषाओं, संसाधनों और परंपराओं की समृद्ध टेपेस्ट्री का प्रतिनिधित्व और संरक्षण करते हैं। इन आदिवासियों ने देश के सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक पहलुओं की संरचना में सक्रिय भागीदारी निभाई है। प्रकृति और हमारे अतीत के साथ उनके जुड़ाव का पता प्रागैतिहासिक काल के विभिन्न शैल चित्रों के माध्यम से लगाया जा सकता है, जिन्होंने समय के साथ, देश के सांस्कृतिक और सामाजिक ढांचे को आकार दिया है, इसे प्राकृतिक और मानव सभ्यता की सबसे समृद्ध विरासत में से एक में बदल दिया है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान समाज में देशभक्ति को बढ़ावा देने और इसकी समृद्ध सांस्कृतिक और जैव-विविधता विरासत की क्षतिपूर्ति करने में भी अपना समर्थन प्रदान किया । हालाँकि, समाज में संरक्षणवादी दृष्टिकोण होने के बावजूद, उन्हें समाज और संस्थागत मशीनरी के शीर्ष पर सीमांत और अलगाव का सामना करना पड़ा है, जिससे उनकी प्रगति और कल्याण में बाधा उत्पन्न हुई है। वे अपने सामाजिक-आर्थिक सीमांत और पिछड़ेपन के कारण देश के विकास इंजनों से बहिष्कार का सामना कर रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक आयामों तक पहुंच की कमी के कारण समाज के अन्य समुदायों की तुलना में उनके उत्थान में और देरी हुई है।

जनजातीय क्षेत्रों का प्राथमिक व्यवसाय अभी भी बड़े पैमाने पर कृषि है। सामुदायिक साक्षरता दर 30% से कम है। जनजातीय समुदाय क्षेत्रों के अन्य सामान्य लक्षण गरीबी, स्वास्थ्य तक पहुंच की कमी के कारण कम जीवन प्रत्याशा, कम आय, खाद्य असुरक्षा, बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं की कमी, खराब शैक्षिक बुनियादी ढांचे, खराब जीवन स्तर और बेरोजगारी हैं। समुदाय में सबसे अधिक प्रभावित आदिवासी महिलाएं, बच्चे और किशोर सदस्य हैं जो इन भौतिक और वित्तीय संसाधनों तक पहुंच की कमी के कारण न केवल कमजोर हैं बल्कि हाशिए पर भी हैं।

वर्तमान परिदृश्य

हाल के वर्षों में, सरकार और विभिन्न संगठनों ने आदिवासी समुदायों के राजनीतिक, सामाजिक-आर्थिक और तकनीकी तत्वों को ऊपर उठाने और उनके सतत विकास को बढ़ावा देने के महत्व को पहचाना है। इस दृष्टिकोण को नीति स्तर के हस्तक्षेप, समुदाय और संस्थानों को सक्षम बनाने और जनजातीय समुदाय के समग्र विकास के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र के सह-निर्माण के माध्यम से तैयार किया गया है। सरकार ने अनुसूचित जनजातियों को सशक्त बनाने के लिए कई पहल की हैं, उन्हें और उनकी जीवनशैली की रक्षा के लिए विभिन्न अधिनियमों और नियमों को लागू करके, उन्हें सामाजिक अधिकार देकर और सरकारी निकायों और निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनके प्रतिनिधित्व की अनुमति देकर अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए विशेष रूप से जनजातीय कार्य मंत्रालय के रुप में एक अलग मंत्रालय का निर्माण, एनएसटीएफडीसी, टीआरआई और विभिन्न अन्य संस्थानों की स्थापना की गई है।

विकास रंजन

प्रबंधक(परियोजना)

<u>त्रिपुरा में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत जागरूकता शिविर और कार्यशाला का आयोजन</u>

नेशनल शेड्यूल्ड ट्राइब्स फाइनैन्स एण्ड डेवलपमेंट कार्पोरेशन ने दिनांक 2 जून, 2023 को त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में राज्य शासन के अनुसूचित जनजाति विभाग निदेशालय के सभागार में एक एक-दिवसीय दो- सत्र कार्यक्रम 'त्रिपुरा अनु. जनजाति सहकारी विकास निगम' के सहयोग से आयोजित किया। इस कार्यक्रम के प्रथम सत्र में एक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया जिस में जनजाति वर्ग के लगभग 80 आगंतुक पुरुषों और महिलाओं को एनएसटीएफडीसी की आर्थिक विकास योजनाओं की जानकारी दी गयी।

इस कार्यक्रम में एनएसटीएफडीसी के प्रधान कार्यालय से श्री भाग्यराज पेरूमाल , मुख्य प्रबंधक, के साथ-साथ निम्नलिखित मंचासीन अतिथियों ने आगंतुकों को संबोधित कर जानकारियाँ और प्रेरक वक्तव्य दिये:

1. श्री एस. प्रभु, आईएफ़एस, प्रबंध निदेशक, टीएसटीसीडीसी ।
2. श्री अविजित रीआंग, महाप्रबंधक, त्रिपुरा अनु. जनजाति सहकारी विकास निगम T (टीएसटीसीडीसी) ने स्वागत भाषण दिया।
3. महाप्रबंधक, त्रिपुरा ग्रामीण बैंक.
4. श्री बीरबल प्रसाद मीना, सहायक निदेशक, एमएसएमई विभाग, राज्य शासन
5. श्री भाग्यराज पेरुमल, मुख्य प्रबंधक, एनएसटीएफडीसी, प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली
6. श्री मोहित मथुरिया, कनिष्ठ सहायक, एनएसटीएफडीसी, प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली

एनएसटीएफडीसी के आंचलिक कार्यालय गुवाहाटी से सुश्री नीवा बोरो, वरिष्ठ सहायक ने इन कार्यक्रमों के आयोजन में भागीदारी की और सहयोग दिया । इस द्वि-सत्र कार्यक्रम में समस्त अतिथियों और प्रतिभागियों के लिए चाय-नाश्ते और भोजन का समुचित प्रबंध किया गया था।

<u>अधिकारियों से भेंट</u>

दिनांक 01 जून, 2023, श्री भाग्यराज पेरुमल, मुख्य प्रबंधक, एनएसटीएफडीसी प्रधान कार्यालय, नयी दिल्ली के त्रिपुरा दौरे के समय उन्होंने त्रिपुरा ग्रामीण बैंक और त्रिपुरा अनु. जनजाति सहकारी विकास निगम के महाप्रबंधकों से भेंट कर अगले दिन के कार्यक्रम और विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। इन बैठकों में एनएसटीएफडीसी आंचलिक कार्यालय गुवाहाटी की वरिष्ठ सहायक सुश्री नीवा बोरो ने भी भाग लिया।

(भाग्यराज पी.)
मुख्य प्रबंधक(परियोजना एवं एमआईएस)

गोगुंदा, उदयपुर जिला, राजस्थान में जागरूकता शिविर

11 मई, 2023 को राजस्थान के उदयपुर जिले की गोगुंदा तहसील में एनएसटीएफडीसी द्वारा एक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया है। श्री शीशराम चावला, महाप्रबंधक, राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास निगम की अध्यक्षता में शिविर आयोजित किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि डॉ. शंकर यादव, अध्यक्ष, राजस्थान अनुसूचित जाति, जनजाति वित्त एवं विकास आयोग तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. मांगी लाल गरासिया, पूर्व मंत्री, भारत सरकार थे। उदयपुर जिले के लगभग 250 लोग द्वारा राजस्थान के शिविर में भाग लिया गया।

जागरूकता शिविर के दौरान, मुख्य प्रबंधक (परियोजनाएं) डॉ. ज्योति सिंघल ने लोगों को एनएसटीएफडीसी योजनाओं से परिचित कराया और एनएसटीएफडीसी योजनाओं से संबंधित उनके प्रश्नों का समाधान किया।

आदिवासी महिलाओं को प्रोत्साहित करने हेतु दिनांक 25.05.2023 को कार्यक्रम आयोजित किया गया। एनएसटीएफडीसी से, सीएमडी, सीएस, मुख्य प्रबंधक (परियोजना) और क्षेत्रीय प्रबंधक (भुवनेश्वर) ने कार्यक्रम में भाग लिया। स्टॉलों में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया। एनएसटीएफडीसी योजनाओं से परिचित कराने के लिए एनएसटीएफडीसी का एक स्टॉल भी था। भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा हमारे स्टॉल का दौरा किया गया। एनएसटीएफडीसी की स्वयं सहायता समूहों की योजना को भारत के माननीय राष्ट्रपति को भी समझाया गया, जिसकी माननीय राष्ट्रपति ने बहुत सराहना की।

भारत के महामहिम राष्ट्रपति ने खूंटी, रांची, झारखंड में स्वयं सहायता समूहों के कार्यक्रम में भाग लिया

डॉ. ज्योति सिंघल
मुख्य प्रबंधक(परियोजना)

जागरुकता शिविर का आयोजन और इस में भारत सरकार के लाइफ (LiFE) मिशन पालन

नेशनल शेड्यूल्ड ट्राइब्स फाइनांस एंड डेवलपमेंट कारपोरेशन [एन.एस.टी.एफ़.डी.सी.] ने अपनी राज्य चैनेलाइज़िंग एजेंसी 'छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यवसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम' के सहयोग से छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के डोंडी में दिनांक 24 मई, 2023 को एक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य क्षेत्र के आम आदिवासी जनों और शासकीय अधिकारियों को राष्ट्रीय और राज्य निगमों की आर्थिक विकास की योजनाओं की जानकारी देना था। इस शिविर में निकटवर्ती क्षेत्रों के लगभग 40 आदिवासी जन, लगभग 5 ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, अन्य जनपद और राष्ट्रीय आजीविका मिशन के अधिकारियों के अतिरिक्त निम्नलिखित मंचासीन लोग उपस्थित थे:

1. श्री एस. टोप्पो, उप महाप्रबंधक, छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यवसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगमम प्रधान कार्यालय, रायपुर
2. श्री विकाश रंजन, प्रबंधक (परियोजनाएँ-मध्य क्षेत्र), एनएसटीएफडीसी, प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली
3. श्री पांडे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद डोंडी, जिला बालोद
4. श्री प्रणय दुबे, जिले के अग्रणी बैंक के प्रबंधक, जिला बालोद
5. श्री एम. बाड़ा, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक, जिला बालोद

6. श्री नवीन शर्मा, सहायक महा प्रबंधक, छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यवसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगमम प्रधान कार्यालय, रायपुर
7. श्री सतीश सिंह राजपूत, कार्यपालन अधिकारी, जिला अंत्यवसायी सहकारी विकास समिति, जिला बालोद

ऊपरोक्त सभी अधिकारियों ने श्रोताओं को राष्ट्रीय निगम, राज्य निगम, भारत सरकार, राज्य शासन और बैंक की योजनाओं की जानकारी दी और इन योजनाओं का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया। श्री अतुल कुमार खरे, कनिष्ठ कार्यपालक, एनएसटीएफडीसी, आंचलिक कार्यालय, भोपाल और सुश्री अंजुम मेमन, विकास खंड कार्यक्रम अधिकारी, NRLM, डोंडी विकास खंड, जिला बालोद ने मंच संचालन किया। श्री खरे ने समस्त मंचासीन अधिकारियों और श्रोताओं को भारत सरकार के लाइफ (LiFE) मिशन की जानकारी दी और इस में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सहभागिता हेतु अनुरोध किया। शिविर में इस मिशन के संबंध में बैनर भी लगाये गये थे।

इस कार्यक्रम में समस्त प्रतिभागियों और अतिथियों के लिए चाय, नाश्ते और भोजन का प्रबंध किया गया था। इस पूरे प्रबंधन में शून्य कचरा उत्पन्न का लक्ष्य प्राप्त किया गया। शिविर के आयोजन एवं भोज में एक भी सिंगल-यूज प्लास्टिक सामग्री और डिस्पोज़बल बर्तन आदि का उपयोग नहीं किया गया।

अतुल कुमार खरे
कनिष्ठ कार्यपालक(आंच.कार्या.भोपाल)